पूसा संस्थान में गुलदाउदी दिवस का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईएआरआई), नई दिल्ली के पुष्प विज्ञान एवं भूदृश्य (फ्लोरीकल्चर एवं लैंडस्केपिंग) संभाग द्वारा 31 दिसंबर 2025 को गुलदाउदी फील्ड डे का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान-आधारित पुष्पोत्पादन के माध्यम से किसानों की आयवृद्धि और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

इस अवसर पर डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, आईसीएआर-आईएआरआई ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, *"मुझे यह साझा करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि गुलदाउदी फील्ड डे में किसानों, उद्योग, नीति, विपणन और मीडिया से जुड़े विविध हितधारकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। यह मंच अनुसंधान से खेत और बाजार तक प्रभावी जुड़ाव का सशक्त उदाहरण है।"* उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि गुलदाउदी जैसी उच्च-मूल्य फसलों में उन्नत किस्में, गुणवत्ता रोपण सामग्री, मूल्य संवर्धन और बाजार संपर्क किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिनमें

1. किसान,
2. उद्योग प्रतिनिधि,
3. आईटीसी होटल के प्रतिनिधि,
4. कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (DAC) के अधिकारी,
5. राष्ट्रपति भवन के अधिकारी,
6. दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के प्रतिनिधि,
7. आईएआरआई के विद्यार्थी,
8. आईएआरआई के संकाय सदस्य, तथा
9. हरियाणा उद्यानिकी विभाग,

   शामिल रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस. के. सिंह, उप महानिदेशक (उद्यानिकी), आईसीएआर ने उन्नत तकनीकों और किस्मों के प्रभावी प्रसार पर बल देते हुए कहा कि वैज्ञानिक उत्पादन पद्धतियों और बाजारोन्मुख रणनीतियों से पुष्पोत्पादन–विशेषकर गुलदाउदी–एक अत्यंत लाभकारी उद्यम बन सकता है।

इस अवसर पर आईएआरआई द्वारा विकसित उन्नत गुलदाउदी किस्मों–पूसा गुलदस्ता, पूसा श्वेत एवं पूसा सुंदरी–का प्रदर्शन किया गया, जो अधिक पुष्प उत्पादन, बेहतर भंडारण क्षमता और उच्च

बाजार स्वीकार्यता के लिए जानी जाती हैं। डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), ने गुलदाउदी से जुड़े मूल्य संवर्धित उत्पादों (गुलदस्ते, सूखे फूल, गमले वाले पौधे, ऑनलाइन विपणन) के माध्यम से ग्रामीण युवाओं और महिला समूहों के लिए उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान आईसीएआर-आईएआरआई और रामधारी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच पूसा गुलदस्ता किस्म के बड़े पैमाने पर प्रवर्धन एवं गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की आपूर्ति हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

समग्र रूप से, यह फील्ड डे किसानों और उद्यमियों को नवाचार-आधारित पुष्पोत्पादन तकनीकों से जोड़ने, उत्पादन से विपणन तक समग्र मार्गदर्शन देने और सार्वजनिक-निजी सहभागिता को सुदृढ़ करने में सफल रहा। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी, व्यावहारिक और प्रेरणादायी बताया। आयोजन का समापन प्रभाग के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के साथ सफलतापूर्वक हुआ।

PRESS NOTE

ICAR-IARI Celebrated Chrysanthemum Day

The Division of Floriculture and Landscaping, ICAR–Indian Agricultural Research Institute (ICAR–IARI), New Delhi, successfully organized the Chrysanthemum Field Day on 31 December 2025. The event marked an important initiative toward promoting farmer prosperity and entrepreneurship through science-led floriculture.

Expressing his happiness on the occasion, Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR–IARI, stated, *"I am happy to share that the Chrysanthemum Field Day witnessed the active participation of a wide spectrum of stakeholders, reflecting the strong linkage between research, farmers, industry, policy and markets."* He emphasized that high-value crops like chrysanthemum, supported by improved varieties, quality planting material, value addition, and strong market linkages, can play a decisive role in enhancing farmers' income.

The event saw enthusiastic participation of over 100 stakeholders, including:

1. Farmers
2. Industry representatives
3. ITC Hotel representatives
4. Officials from the Department of Agriculture and Farmers Welfare (DAC)
5. Officers from Rashtrapati Bhavan
6. Representatives from Doordarshan
7. Students of ICAR–IARI
8. Faculty members of ICAR–IARI
9. Officers from the Department of Horticulture, Haryana

Dr. S. K. Singh, Deputy Director General (Horticulture), ICAR, attended the programme as the Chief Guest and highlighted the importance of effective dissemination of advanced technologies and improved varieties to farmers. He noted that with scientific production practices and market-oriented approaches, floriculture—particularly chrysanthemum—can emerge as a highly profitable enterprise.

During the programme, improved chrysanthemum varieties developed by ICAR–IARI—Pusa Guldasta, Pusa Shwet, and Pusa Sundari—were showcased. These varieties are known for higher flower yield, superior keeping quality, and strong market acceptance. Dr. Viswanathan Chinnusamy, Joint Director (Research), emphasized livelihood opportunities through value-added chrysanthemum products such as bouquets, dry flowers, pot plants, and online marketing, especially for rural youth and women's groups.

On the occasion, an MoU was signed between ICAR–IARI and Ramdhari Seeds Pvt. Ltd. for large-scale propagation and supply of quality planting material of the chrysanthemum variety Pusa Guldasta.

Overall, the Chrysanthemum Field Day successfully connected farmers and entrepreneurs with innovation-driven floriculture technologies, offering end-to-end guidance from production to marketing. Participants described the programme as informative, practical, and motivating. The event concluded successfully with the dedicated efforts of the scientists, students, and staff of the Division of Floriculture and Landscaping.